SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Tribal Liaison Officer

जनजातीय संपर्क अधिकारी वह सेतु है जो आदिवासी समुदायों और सरकार, स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ) व कंपनियों के बीच विश्वास और संवाद बनाता है। वह समुदाय के लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं (छात्रवृत्ति, वन अधिकार, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका)...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/tribal-liaison-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

जनजातीय संपर्क अधिकारी वह सेतु है जो आदिवासी समुदायों और सरकार, स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ) व कंपनियों के बीच विश्वास और संवाद बनाता है। वह समुदाय के लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं (छात्रवृत्ति, वन अधिकार, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका) की जानकारी पहुँचाता है, ज़रूरतमंदों के दस्तावेज़ और आवेदन तैयार करवाता है, और समुदाय की समस्याओं व अधिकारों को सम्मानपूर्वक अधिकारियों तक ले जाता है। राजस्थान के उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जैसे क्षेत्रों में भील, मीणा, गरासिया और सहरिया समुदायों की बड़ी आबादी है, जहाँ ऐसे संवेदनशील और समर्पित अधिकारियों की निरंतर आवश्यकता रहती है। यह सेवा-भाव वाला कार्य है जिसमें स्थानीय भाषा, संस्कृति की समझ और लोगों के प्रति गहरा सम्मान सबसे बड़ी पूँजी है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	समाजकार्य/समाजशास्त्र में स्नातक (BSW); MSW को प्राथमिकता
कोर्स अवधि	BSW 3 वर्ष + MSW 2 वर्ष
आरंभिक वेतन	₹15,000–22,000/माह
कार्य-शैली	फील्ड + कार्यालय; समुदाय के बीच पूर्णकालिक कार्य

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- आदिवासी समुदायों की संस्कृति, अधिकारों और विकास में गहरी रुचि
- लोगों से मिलना, संवाद करना और उनकी समस्याएँ समझना पसंद
- सामाजिक न्याय और सेवा-भाव से समाज बदलने की इच्छा

क्षमताएँ

- धैर्य, सहानुभूति और लोगों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार
- स्थानीय भाषा/बोली में स्पष्ट संवाद और सुनने की क्षमता
- समन्वय, समस्या-समाधान और भरोसा बनाने का गुण

ज़रूरी कौशल

- समुदाय के साथ जुड़ाव और उनका विश्वास अर्जित करना
- सहानुभूति और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के साथ काम करना
- योजनाओं के आवेदन, रिपोर्ट और फील्ड-दस्तावेज़ीकरण
- बैठकें, जन-जागरूकता और सामुदायिक संगठन का संचालन
- स्थानीय भाषा/बोली (भीली, वागड़ी आदि) में संवाद
- सरकार, एनजीओ, कंपनी और समुदाय के बीच समन्वय
- कल्याणकारी योजनाओं व वन अधिकार कानून (FRA) की जानकारी

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं (किसी भी संकाय, कला विषय उपयोगी) उत्तीर्ण करें।
2. समाजकार्य में स्नातक (BSW) या समाजशास्त्र/ग्रामीण विकास/मानवशास्त्र में स्नातक करें।
3. समाजकार्य में स्नातकोत्तर (MSW) करें — विशेषकर आदिवासी/ग्रामीण विकास विशेषज्ञता के साथ; इसे प्राथमिकता मिलती है।
4. पढ़ाई के दौरान आदिवासी क्षेत्रों में एनजीओ के साथ फील्ड-वर्क और इंटर्नशिप करें।
5. स्थानीय बोली सीखें और समुदाय की संस्कृति व रीति-रिवाज़ों को समझें।
6. जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग (राजस्थान), TRIFED, एनजीओ या कंपनी की CSR टीम में संपर्क/विकास अधिकारी पद पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- MSW/समाजकार्य में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (जैसे TISSNET, CUET-PG)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा — बांसवाड़ा, राजस्थान (https://ggtu.ac.in/)
- मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (समाजकार्य विभाग) — उदयपुर, राजस्थान (https://www.mlsu.ac.in/)
- राजस्थान विश्वविद्यालय (सामाजिक कार्य विभाग / MSW) — जयपुर, राजस्थान (https://www.uniraj.ac.in/)

निजी संस्थान

- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS) — मुंबई (अखिल भारतीय प्रवेश) (https://www.tiss.ac.in/)
- इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आणंद (IRMA) — आणंद, गुजरात (https://www.irma.ac.in/)

ऑनलाइन

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) – MSW — ऑनलाइन/दूरस्थ (https://www.ignou.ac.in/)
- स्वयं (SWAYAM) – समाजकार्य ऑनलाइन कोर्स — ऑनलाइन (https://swayam.gov.in/)

फ़ीस

सरकारी विश्वविद्यालयों में BSW/MSW की फीस आमतौर पर बहुत कम (लगभग ₹5,000–25,000 प्रति वर्ष) होती है; गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय और मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय जैसे संस्थान किफायती हैं। TISS/IRMA जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शुल्क अधिक (₹1–2.5 लाख प्रति वर्ष) हो सकता है, पर अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति व शुल्क-छूट उपलब्ध रहती है।

छात्रवृत्तियाँ

- अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु उच्च शिक्षा फेलोशिप व छात्रवृत्ति (जनजातीय कार्य मंत्रालय) (https://tribal.nic.in/ScholarshiP.aspx)
- नेशनल फेलोशिप फॉर हायर एजुकेशन ऑफ ST स्टूडेंट्स (NFST) (https://www.myscheme.gov.in/schemes/nfandshests)
- नेशनल ट्राइबल फेलोशिप पोर्टल (https://fellowship.tribal.gov.in/)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

आदिवासी बहुल गाँव और ब्लॉक (उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही), जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग व TRIFED के कार्यालय, एनजीओ की फील्ड-परियोजनाएँ, तथा खनन/इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों की CSR इकाइयाँ।

कार्य-संस्कृति

काम का बड़ा हिस्सा फील्ड में — गाँवों में पैदल/वाहन से पहुँचना, बैठकें करना और लोगों से मिलना — होता है, बाकी समय रिपोर्ट व दस्तावेज़ीकरण में लगता है। दूरदराज़ के क्षेत्रों में यात्रा करनी पड़ती है, इसलिए धैर्य और लगन ज़रूरी है। समुदाय की संस्कृति व गरिमा का सम्मान इस पेशे का मूल है; महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए भी अवसर हैं।

कौन नौकरी देता है

- जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार (उदयपुर मुख्यालय)
- आदिवासी क्षेत्रों में कार्यरत एनजीओ (जैसे आजीविका ब्यूरो, सेवा मंदिर)
- खनन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियाँ (सामुदायिक संपर्क/पुनर्वास इकाई)
- TRIFED व जनजातीय कार्य मंत्रालय की परियोजनाएँ
- कंपनियों की CSR (सामाजिक उत्तरदायित्व) टीमें
- राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसियाँ और फाउंडेशन

माँग (2026)

राजस्थान की बड़ी अनुसूचित जनजाति आबादी और सरकार की अनेक जनजातीय कल्याण योजनाओं के कारण ऐसे संपर्क अधिकारियों की स्थिर माँग बनी रहती है, जो योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा सकें। साथ ही खनन व इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में कंपनियों को समुदाय-संपर्क और पुनर्वास के लिए, तथा बढ़ते CSR व एनजीओ क्षेत्र में, प्रशिक्षित व संवेदनशील पेशेवरों की ज़रूरत रहती है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. फील्ड वर्कर / सामुदायिक स्वयंसेवी (इंटर्न)
2. जनजातीय संपर्क अधिकारी / सामुदायिक विकास अधिकारी
3. परियोजना समन्वयक / ब्लॉक कार्यक्रम अधिकारी
4. कार्यक्रम प्रबंधक / जिला परियोजना प्रमुख
5. निदेशक – सामुदायिक विकास / CSR प्रमुख

कमाई

शुरुआत	₹15,000–22,000/माह
मध्य स्तर	₹28,000–45,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹50,000–90,000+/माह

इनडीड के अनुसार भारत में वेलफेयर/सामुदायिक अधिकारी का औसत वेतन लगभग ₹23,000/माह के आसपास है, जो अनुभव व नियोक्ता से घटता-बढ़ता है। सरकारी विभाग व बड़े राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय एनजीओ तथा कंपनी CSR टीमें बेहतर वेतन देती हैं, और परियोजना/कार्यक्रम प्रबंधक स्तर पर आय काफी बढ़ जाती है। (2026 अनुमान)

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- समुदाय की भलाई से जुड़ा सार्थक, सम्मानजनक कार्य
- सरकार, एनजीओ, फाउंडेशन और CSR — कई क्षेत्रों में अवसर
- अपने क्षेत्र और भाषा की समझ रखने वाले स्थानीय युवाओं को विशेष लाभ

चुनौतियाँ

- दूरदराज़ के क्षेत्रों में यात्रा और फील्ड की कठिनाइयाँ
- शुरुआती वेतन सीमित; कई पद परियोजना-आधारित/अनुबंधित होते हैं
- संवेदनशील मुद्दों में धैर्य और भावनात्मक मज़बूती की ज़रूरत

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Rajiv Khandelwal
संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक, आजीविका ब्यूरो, उदयपुर

राजीव खंडेलवाल ने उदयपुर में 'आजीविका ब्यूरो' की स्थापना कर दक्षिणी राजस्थान के भील और अन्य आदिवासी प्रवासी मज़दूरों के लिए एक भरोसेमंद सेतु खड़ा किया। संस्था इन मज़दूरों को पहचान-पत्र, पंजीकरण, कानूनी सहायता, बकाया मज़दूरी की वसूली और महिला समूहों के माध्यम से हक़ दिलाती है — यानी समुदाय और सरकार/नियोक्ताओं के बीच वही संपर्क-कार्य जो एक जनजातीय संपर्क अधिकारी करता है। उनके इस काम के लिए उन्हें अशोका फेलो के रूप में मान्यता मिली, और उनकी कहानी दिखाती है कि संवेदनशील संपर्क-कार्य से आदिवासी समुदायों का जीवन बदला जा सकता है।

Ashoka · https://www.ashoka.org/en-us/fellow/rajiv-khandelwal

Daya Bai
आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता एवं सामुदायिक सेविका (पद्म श्री, 2024)

केरल में मर्सी मैथ्यू के रूप में जन्मी दया बाई ने सुखी जीवन छोड़कर दशकों तक मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले के बरुल गाँव में गोंड आदिवासी समुदाय के बीच रहकर काम किया। उन्होंने समुदाय की भाषा और जीवनशैली अपनाकर भूमि अधिकार, स्वास्थ्य, शिक्षा और गरिमा के लिए संघर्ष किया और लोगों को सरकारी हक़ों से जोड़ा। 2024 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि सम्मान और सेवा-भाव के साथ आदिवासी समुदाय के बीच रहकर बदलाव लाया जा सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Daya_Bai

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- जनजातीय सामाजिक कार्यकर्ता
- जनजातीय विधिक अधिवक्ता
- जनजातीय पर्यावरण संरक्षण अधिकारी

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – जनजातीय संपर्क अधिकारी — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a5%80%e0%a4%af-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%95-%e0%a4%85%e0%a4%a7%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-tribal-liaison-o/

2. जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार — https://tad.rajasthan.gov.in/

3. TRIFED (ट्राइब्स इंडिया) – राजस्थान — https://trifed.tribal.gov.in/en/Rajasthan

4. जनजातीय कार्य मंत्रालय – छात्रवृत्ति अनुभाग — https://tribal.nic.in/ScholarshiP.aspx

5. इनडीड – वेलफेयर ऑफिसर वेतन (भारत) — https://in.indeed.com/career/welfare-officer/salaries

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in